विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 11 अक्टूबर 2020

वर्ग षष्ठ राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

नवमः पाठः

आज्ञाकारी शिष्यः (लङ् लकार)

सः बहुप्रयासं अकरोत् परन्तु जलम् न अवरूद्धम्।

वह बहुत प्रयास किया परंतु जल नहीं अवरुद्ध हो सका।

आरूणिः जलं अवरोद्धम् स्वयमेव जले अतिष्ठत्।

आरुणि जल को अवरुद्ध करने के लिए स्वयं जल में बैठ गया।

सायं सन्ध्यासमये आचार्यः आरूणिं न अपश्यत् तदा शिष्यम् अपृच्छत् आरूणिः सन्ध्यायां कथं उपस्थितः न अभवत्।

शाम के संध्या समय में आरुणि को नही देखा तब आचार्य ने शिष्य से पूछा संध्या काल में आरुणि क्यों उपस्थित नहीं हुआ।

तदा एकः छात्रः अवदत् – आरूणिः प्रातः गुरोः आज्ञाया क्षेत्रे जलं अवरोद्धुम् अगच्छत् तत्रतः अधुना पर्यन्तं न प्रत्यावर्तत्।

तब एक छात्र ने बोला-आरुणि सुबह को गुरु की आज्ञा से खेत में जल को जमा करने के लिए गया है। तभी से वह अब तक नहीं लौटा है ।

आचार्यः शीघ्रमेव क्षेत्रम् आगच्छत्।

आचार्य शीघ्र ही खेत चले गए।

तत्र आरूणिः जले स्थितं दृष्ट्वा आचार्या रोमाञ्चितः अभवत्।
वहां जल में स्थित आरुणि को देखकर रोमांचित हुए।